

संपादकीय

सेबी की मिलीभगत

शेयर धोखाधड़ी के मामले में पूर्व सेबी प्रमुख माधवी बुच के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने का आदेश विशेष अदालत ने दिया है। अदालत ने इसे प्रथम दृष्टि नियामक चूक व मिलीभगत का सबूत माना और निष्पक्ष जांच की आवश्यकता बताई। याचिका में बुच के अतिरिक्त पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ बायबे स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी लिस्टिंग में अनियमितताओं का दावा किया गया है।

नियामक प्राधिकरणों, खासकर सेबी की मिलीभगत से कंपनी को स्टॉक एक्सचेंज में धोखाधड़ी से सूचीबद्ध करने को कॉर्पोरेट धोखाधड़ी बताया है। सेबी की पहली महिला प्रमुख बुच को अमेरिका स्थित शॉर्ट-सेलर हिंडेनबर्ग द्वारा हितों के टकराव के आरोप लगाए गए थे। बुच दंपति पर फंड संरचनाओं का हिस्सा रही संस्थाओं में निवेश का भी आरोप है, जिसमें अडानी समूह द्वारा भी निवेश किया गया था।

बुच का कहना था, यह निवेश उनके नियामक में शामिल होने से पहले किया गया था। हालांकि सेबी ने इस आदेश को चुनौती देने के लिए उचित कदम उठाने की बात की है। साथ ही बुच का समर्थन करते हुए याचिकाकर्ता को तुच्छ व आदलत मुकदमाकर्ता ठहराया। इस दरम्यान स्वयं हिंडेनबर्ग अपना कारोबार बंद करने की घोषणा भी कर चुकी है। बुच द्वारा तमाम सराहनीय सकारात्मक कदम उठाये जाने के बावजूद उनके तीन साल के कार्यकाल के दरम्यान कर्मचारियों में जबरदस्त रोष भी नजर आया।

खुदरा निवेशकों को बाजार की तरफ आकर्षित करने में सफल रही बुच ने निवेश सलाहकारों के लिए नियमों को आसान बनाने व राइट्स इश्यू को तेजी देने सरीखा काम कर दिखाया। इसके बावजूद उन पर लगे आरोपों की अनदेखी नहीं की जा सकती। विपक्षी दलों के भारी विरोध के बावजूद सरकार ने न सिर्फ पक्षपाती रवैया बनायी रखा बल्कि चिकने घड़े की तरह आरोपों को झाड़ती रही। यूं भी मोदी सरकार का काम करने का रवैया ऐसा है, जो अपने चहेते अधिकारियों के बचाव को लेकर अड़ियलपन दिखाने में कोई लिहाज नहीं करती।

बेशक सरकार को जांच का आसन देते हुए नियामक प्राधिकरणों की गरिमा बनाए रखने के प्रति गंभीर नजर चाहिए। आदालती कार्रवाई का सामना करके बुच को अपना पक्ष रखना चाहिए। सफलताओं के झड़े गाड़ने के बावजूद सेबी जैसे सम्मानित नियामक पर एक शर्रस की वजह से बिला-वजह पड़ने वाले छींटों से बचाने के प्रति सरकार पहले ही प्रतिबद्धता दर्शा सकती थी।

चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में जीडीपी तीव्र गति सी बड़ेगी

नई दिल्ली

हाल ही में जारी बैंक ऑफ बड़ौदा की लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार अर्थव्यवस्था के हाई-फ्रिक्वेंसी इंडीकेटर के आधार पर चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में भारत की जीडीपी वृद्धि में तेजी आने की उम्मीद है। चौथी तिमाही में सुधार दर्शाने वाले सकारात्मक संकेतकों में जीएसटी कलेक्शन, ई-वे बिल जनरेशन में वृद्धि शामिल है। जीएसटी कलेक्शन जनवरी-फरवरी 2025 में औसतन 3.8 लाख करोड़ रुपये रहा, जो जनवरी-फरवरी 2024 में 3.4 लाख करोड़ रुपये था। ई-वे बिल जनरेशन जनवरी 2025 में 23.1 प्रतिशत हो गया, जबकि जनवरी 2024 में 16.4 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025 की

तीसरी तिमाही में 16.9 प्रतिशत था। जनवरी-फरवरी 2025 में टोल कलेक्शन में औसतन 16.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि जनवरी-फरवरी 2024 में 11.2 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि जनवरी-फरवरी 2025 की अवधि में हवाई यात्री ट्रेफिक और वाहन रजिस्ट्रेशन जैसे संकेतक कम हुए, लेकिन कुंभ मेले के कारण उपभोग, सेवाओं और एफएमसीजी सेक्टर को बढ़ावा मिलने से चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि में वृद्धि का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पूरे वर्ष के लिए कृषि क्षेत्र में मजबूत वृद्धि को देखते हुए, 6.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है, जिसने

पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 1.5 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में तीसरी तिमाही में 5.6 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। रिपोर्ट में यह भी उम्मीद की गई है कि मुद्रास्फीति में कमी आने के कारण आरबीआई आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख दरों को और कम करेगा। इसमें बताया गया है कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने सर्वसम्मति से रेपो दर को 6.5 प्रतिशत से 25 आधार अंकों से घटाकर 6.25 प्रतिशत कर दिया और रूब को न्यूट्रल रखा गया। आरबीआई गवर्नर ने विकास को समर्थन देने के लिए लेस रिस्ट्रिक्टव मौद्रिक नीति की आवश्यकता पर ध्यान दिया क्योंकि मुद्रास्फीति आरबीआई के लक्षित बैंड के भीतर बनी हुई है।

वित्त वर्ष 2026 में वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025 के 6.4 प्रतिशत से बढ़कर 6.7 प्रतिशत हो जाएगी। वित्त वर्ष 2026 में मुद्रास्फीति घटकर 4.2 प्रतिशत रह जाने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 2025 में 4.8 प्रतिशत थी। सीपीआई वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 4.4 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 4.5 प्रतिशत पर स्थिर रहेगी। इन अनुमानों में रुपये की अस्थिरता को भी ध्यान में रखा गया है। मुद्रास्फीति के दबाव में कमी आने की उम्मीद है, जिससे आरबीआई को दरों में और कमी करने की गुंजाइश मिलेगी। रिपोर्ट में कहा गया है, हमें इस कैलेंडर वर्ष में दरों में 75 बीपीएस (संचयी) तक की कमी की उम्मीद है। अगली दर कटौती के समय, हमें रूब में बदलाव की भी उम्मीद है।

गोल्डन बैट की रस में शामिल हैं रचिन रविंद्र, विराट कोहली भारत और न्यूजीलैंड फाइनल के बाद मिलेगा खिताब

नई दिल्ली

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मैच भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों 9 मार्च को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। इस टूर्नामेंट में अब तक टीम इंडिया का शानदार प्रदर्शन रहा है। भारत ने अब तक सभी 4 मैचों में जीत हासिल किया है, वहीं न्यूजीलैंड ने एक मैच में हार का सामना किया है, जो मैच भी भारत के खिलाफ था। इस टूर्नामेंट में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। इससे पहले चलिए जानते हैं कि कौन-कौन से खिलाड़ी गोल्डन बैट की रस में सबसे आगे हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अब तक इंग्लैंड के बेन डकेट ने सबसे ज्यादा रन बनाए हैं और गोल्डन बैट की रस में सबसे आगे हैं। डकेट ने चैंपियंस ट्रॉफी के 3 मैचों में 227 रन बनाए हैं, लेकिन इंग्लैंड की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। ऐसे में अब भारत और न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों के पास गोल्डन बैट को अपने नाम करने का मौका है। न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र डकेट से सिर्फ एक रन पीछे हैं।

भारतीय शहरों में महिलाओं के लिए रोजगार छह वर्षों में 10 प्रतिशत बढ़ा

चेन्नई

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 से पहले शुक्रवार को आईएफ रिपोर्ट के अनुसार, शहरी भारत में महिलाओं के लिए रोजगार में पिछले छह वर्षों (2017-18 से 2023-24) में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। चेन्नई के ग्रेट लेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट द्वारा जारी की गई रिपोर्ट के अनुसार, चालीस वर्ष की आयु की शहरी महिलाओं की रोजगार दर सबसे अधिक है, जो 2023-24 में 38.3 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में कहा गया कि



2023-24 में 8.9 करोड़ से अधिक शहरी महिलाएं लेबर मार्केट से बाहर हैं। देखभाल संबंधी जिम्मेदारियां, लचीली कार्य व्यवस्था का अभाव और आवागमन संबंधी चुनौतियों जैसे कारण अनेक उच्च योग्यता प्राप्त महिलाओं को अर्थव्यवस्था में पूर्ण रूप से भाग लेने से रोकते हैं। रिपोर्ट में चिंता पैदा करने वाला ट्रेंड भी बताया गया। शहरी भारत

में 20-24 वर्ष के आयु वर्ग के 10 प्रतिशत पुरुष बेरोजगार हैं, जबकि महिलाओं में यह आंकड़ा 7.5 प्रतिशत का है। रिपोर्ट के निष्कर्षों ने उच्च शिक्षित परिवारों में भी लैंगिक असमानता को उजागर किया। यहां तक कि दोहरी आय वाले, उच्च शिक्षित दम्पतियों में भी लैंगिक असमानताएं स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 62 प्रतिशत परिवारों में समान शैक्षणिक योग्यता के बावजूद पति अधिक कमाते हैं। इसके अलावा, 41 प्रतिशत घरों में पत्नियों पर के कामों की प्राथमिक

जिम्मेदारी उठाती हैं, जबकि पतियों के मामले में यह आंकड़ा केवल 2 प्रतिशत है। ग्रेट लेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट की अर्थशास्त्र की प्रोफेसर और निदेशक डॉ. विद्या महाबले ने कहा, शहरी भारत में कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है, लेकिन यह अभी भी आय, करियर विकास और घरेलू जिम्मेदारियों में सही मायने में लैंगिक समानता में तब्दील नहीं हो पाई है। वास्तविक बदलाव लाने के लिए, सबसे पहले, हमें सभी के लिए अधिक रोजगार के अवसरों की आवश्यकता है।

हरमनप्रीत और एक्लेस्टोन के बीच तीखी नोकझोंक पर मिताली राज ने दी प्रतिक्रिया

लखनऊ

मुंबई इंडियंस और यूपी वॉरियर्स के बीच खेले गए इन्ड्यूपीएल 2025 मैच के दौरान एक विवाद हुआ, जिसे लेकर पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज ने अपनी राय दी। उन्होंने कहा कि जब मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर मैदान पर अंपायर से बातचीत कर रही थीं, तब सोफी एक्लेस्टोन क्या करने की कोशिश कर रही थीं, यह समझ से बाहर था। यह घटना आखिरी ओवर से पहले हुई, जब धीमी ओवर गति के कारण अंपायर ने मुंबई इंडियंस पर पेनल्टी लगाई और नियमों

के अनुसार 30-याई सर्कल के बाहर सिर्फ तीन फील्डरों को रखने की अनुमति दी। इस फैसले से हरमनप्रीत नाराज दिखीं और अंपायर से इस पर चर्चा करने लगीं। इसी बीच, आखिरी ओवर डालने जा रही अमेरिलिया केर भी इस फैसले से नाखुश नजर आईं। मिताली ने जियोस्टार पर बात करते हुए कहा, मुंबई इंडियंस चार मिनेट की देरी से ओवर डाल रही थी, इसलिए उन्हें एक अतिरिक्त फील्डर को सर्कल के अंदर लाना पड़ा। शायद हरमनप्रीत अंपायर से इसी बारे में चर्चा कर रही थीं और सोच रही थीं कि अगर यह पहले पता होता तो वह 19वें ओवर

में शबनिम इस्माइल को गेंदबाजी करातीं। लेकिन मुझे समझ नहीं आया कि एक्लेस्टोन इस बातचीत में क्यों शामिल हो रही थीं। जब एक कप्तान पहले से ही धीमी ओवर गति की सजा झेल रहा हो और अपनी फील्डिंग सेट कर रहा हो, तो किसी और खिलाड़ी का इस चर्चा में कूदना थोड़ा निराशाजनक हो सकता है। यह बस भावनाओं में बह जाने का एक पल था। इस घटना के बाद हरमनप्रीत पर इन्ड्यूपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए उनके मैच फीस का 10 जूमाना लगाया गया। हालांकि, मिताली ने हेली मैथ्यूज की 46 गेंदों पर 68 रनों की शानदार पारी की तारीफ

की, जिसमें उन्होंने आठ चौके और दो छक्के लगाए। इस पारी की बदौलत मुंबई इंडियंस ने छह विकेट से जीत दर्ज की। उन्होंने कहा, हेली मैथ्यूज की बल्लेबाजी बेहद सहज थी। नेट स्क्रिबर-ब्रंट, जो पावरप्ले के दौरान क्रीज पर आईं, ने शानदार स्ट्राइकट बनाए रखा। एक समय वह लगभग 180 की स्ट्राइक रेट से रन बना रही थीं। वह लगातार रन बना रही हैं, और उनकी यह साझेदारी मुंबई इंडियंस के लिए बहुत अहम रही। 150 का लक्ष्य कभी-कभी मुश्किल हो सकता है, खासकर तब जब सामने यूपी वॉरियर्स की स्पिनर हों। उम्मीद थी कि यूपी वॉरियर्स के स्पिनर असर दिखाएंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी में श्रेयस अय्यर के प्रदर्शन से बीसीसीआई खुश

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन कर रही है। ग्रुप स्टेज के 3 मैच और सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराकर टीम इंडिया फाइनल में पहुंच चुकी है। 9 मार्च को फाइनल में भारतीय टीम का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। भारत की चैंपियंस ट्रॉफी के सफर में श्रेयस अय्यर की बेहद अहम भूमिका रही है। श्रेयस ने बेहद मुश्किल समय से टीम को निकालते हुए मैच विजयी पारियां खेली हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के अबतक के 4 मैच में लाभग एंशा हुआ है कि टीम इंडिया अबतक अपने शुरूआती विकेट खोकर मुश्किल में दिखती रही है। लेकिन चौथे नंबर पर बैटिंग करने आने वाले श्रेयस क्रीज पर अपनी पैर जमाते हैं और टीम को हर बार मुश्किल से निकाल ले जाते हैं। बांग्लादेश के खिलाफ हुए मैच को छोड़ दें तो पाकिस्तान के मैच में श्रेयस ने 56 रन बनाए थे और विराट के साथ तीसरे विकेट के लिए 114 रन जोड़े। न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत ने 30 रन पर 3 विकेट खो दिए थे। श्रेयस ने 79 रन की पारी खेली थी और अक्षर के साथ चौथे विकेट के लिए 98 रन

आज का राशिफल

भेष : आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आप अपने निजी जीवन में चली आ रही समस्याओं का समाधान निकालने में कामयाब रहेंगे। पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी। साधकों में आपको अच्छी सफलता मिलेगी।
वृष : आज आपका दिन खास रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा। ऑफिस में काम बढ़ सकता है, जिससे आप परिवार को बढाने में मदद दे पाएंगे, लेकिन आप कार्यक्षेत्र और घर के बीच अच्छी तरह तालमेल बनाकर रहेंगे।
मिथुन : आज आपका दिन बदलाव लाने वाला है। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। आप लोगों की मदद करने के लिए समय निकालेंगे। आज आपकी निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होगी, बिजनेस को बढ़ाने के लिए बेहतर फैसले लेंगे।
कर्क : आज आपका दिन आनंद से भरा रहेगा। आपको आज अच्छी खुशखबरी मिलेगी। नौकरी में प्रमोशन की आपकी प्रतीक्षा समाप्त होगी, नई पोस्ट का काम करने का मौका मिलेगा। आप पूरी सवधानी से काम लेंगे।
सिंह : आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र के सकारात्मक माहौल में काम करने को मिलेगा। आज आप ऑनलाइन नया काम शुरू करेंगे, जिसमें आपको अच्छी सफलता मिलने के योग है।
कन्या : आपके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। अनेक साधकों से आर्थिक लाभ होने के संभावना है, जिससे आपका बैंक बैलेंस मजबूत होगा। संतान की ओर से सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।
तुला : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। रिश्तेदारों के साथ किसी धार्मिक स्थल पर घूमने जायेंगे, आपकी यात्रा सुखद रहेगी। पारिवारिक रिश्तों में आपसी प्रेम बढ़ेगा।
वृश्चिक : आज आपका दिन रोज से बेहतर रहेगा। आप अपनी नौकरी बदलने का प्रयास करेंगे, इसमें आपको सफलता मिलने की संभावना है। आपकी सेलरी में वृद्धि होगी। आप आपकी आर्थिक स्थिति में संतुलन बना रहेगा।
धनु : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज आपकी कुछ नये लोगों से मुलाकात होगी। आपके निजी प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी। आपके लिए अचानक धन लाभ के स्रोत खुलेंगे।
मकर : आज आपका दिन मंगलमय रहेगा। आपको अपनी नौकरी में उत्तम परिणाम देखने को मिलेंगे। आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। कार्यस्थल पर विरोधी कुछ मुश्किलें खड़ी करेंगे, लेकिन आप अपने काम पर फोकस करेंगे।
कुंभ : आज आपका दिन फायदेमंद रहेगा। पारिवारिक जीवन में खुशियां देखने को मिलेंगी। बहुत समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों का साथ मिलेगा। आप अपने मित्रों के साथ आनंदपूर्वक दिन बिताएंगे।
मीन : आपके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। आज व्यापार में अचानक धन लाभ होने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। आज शू पक्ष आपको पेशान करने की नोकाम कोशिश कर सकता है।

रोजाना खाएं एक कटोरी फल, मिल सकते हैं कई फायदे

फल हमारे आहार का अहम हिस्सा होते हैं। ये न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं। रोजाना एक कटोरी फल खाने से शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं और कई बीमारियों से बचाव होता है। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे फल हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं और हमें स्वस्थ जीवन जीने में मदद करते हैं।
ऊर्जा का बेहतरीन स्रोत- फल प्राकृतिक शक्कर का अच्छा स्रोत होते हैं, जो शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करते हैं। जब आप थकान महसूस करते हैं या दिनभर की भागदौड़ में ऊर्जा की कमी होती है तो एक कटोरी फल खाना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। यह न केवल आपकी थकान दूर करेगा बल्कि आपको ताजगी भी महसूस कराएगा, खासकर केला और अंगूर जैसे फल तुरंत ऊर्जा देने के लिए जाने जाते हैं।
पाचन तंत्र को सुधारे- फलों में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो पाचन तंत्र को सही रखने में मदद करता है। अगर आपका पाचन सही नहीं रहता है तो कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में रोजाना एक कटोरी फल खाने से आपका पाचन तंत्र मजबूत होता है और पेट साफ रहता है।
संतरा, पीपता और अमरूद जैसे फलों का सेवन आपके पेट के लिए बहुत लाभकारी होता है।
रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएं- फलों में विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। इससे आप सर्दी-जुकाम जैसी सामान्य बीमारियों से बच सकते हैं और आपकी त्वचा भी निखरी रहती है।
नींबू, संतरा और आंवला जैसे फलों का सेवन आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती दे सकता है। ये फल न केवल आपकी सेहत को बेहतर बनाते हैं, बल्कि आपको ऊर्जावान भी रखते हैं।
वजन घटाने में है सहायक- अगर आप वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं तो फल आपके सबसे अच्छे साथी साबित हो सकते हैं। इन्में कैलोरी कम होती है, लेकिन पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं, जिससे आपका पेट भरा रहता है और भूख कम लगती है।

शब्द सामर्थ्य- 348

बाएँ से दाएँ
1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशनु, सूरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खंड वस्तु तरफदार।
13. यात्रा 15. पुत्र, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बीना 18. सोंप का सिर, गुण, कला, कोशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, आना, बलगम आदि का, सुगंध 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।
ऊपर से नीचे
1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भोगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर निकालना 12. अंधी, अंधी, अंधी, अंधी 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अवला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष को छः ऋतुओं में बँटाना 23. बुद्धि, दिमाग।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 347 का हल

| | | | | | | |
|----|-----|----|----|----|----|-----|
| प | च | द | व | र | म | स |
| ट | भ | ल | इ | अ | स | म |
| ना | म | स | मा | धि | झ | |
| बा | बू | आ | य | क | र | ना |
| र | की | व | | | | प्र |
| ज | | रू | प | क | ज | न |
| हा | पा | ना | म | ची | न | |
| ज | हां | प | ना | ह | ता | न |

सू-दोक्- 348

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | 6 | 3 | 8 | 1 | 4 |
| 8 | | 3 | 4 | 7 | |
| 4 | | | 5 | 8 | |
| 3 | 8 | 1 | 1 | 4 | |
| 1 | | | 4 | 9 | 7 |
| | 4 | | 2 | 1 | |
| 1 | | 3 | 4 | 8 | |
| | 8 | 2 | 9 | 3 | |
| | | 9 | 1 | 2 | 5 |

नियम
1. कुल 81 वर्ग हैं, जिनमें 9वर्ग का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएँ से दाएँ और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1 से 9 अंकों में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

सू-दोक् क्र. 347 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 7 | 9 | 2 | 4 | 5 | 3 | 1 | 8 |
| 2 | 1 | 8 | 3 | 7 | 6 | 9 | 5 | 4 |
| 7 | 6 | 4 | 5 | 2 | 8 | 1 | 3 | 9 |
| 3 | 8 | 1 | 6 | 9 | 7 | 2 | 4 | 5 |
| 9 | 2 | 5 | 4 | 1 | 3 | 8 | 6 | 7 |
| 8 | 3 | 7 | 9 | 6 | 4 | 5 | 2 | 1 |
| 5 | 4 | 2 | 8 | 3 | 1 | 7 | 9 | 6 |
| 1 | 9 | 6 | 7 | 5 | 2 | 4 | 8 | 3 |
| 4 | 5 | 3 | 1 | 8 | 9 | 6 | 7 | 2 |